# बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



# योना और बड़ी मछली

सुनने, फिर से शुरू करने और यह जानने की कहानी
कि परमेश्वर का प्रेम कितना महान है।



# एक महत्वपूर्ण काम

एक दिन परमेश्वर ने योना को एक महत्वपूर्ण काम दिया: महान नगर नीनवे जाना और ऐसा सन्देश सुनाना जो बहुत लोगों की सहायता करेगा।



# योना दूर भागा

पर योना डर गया और दूर जाने का निर्णय लिया। वह ऐसे जहाज़ पर चढ़ गया जो ठीक विपरीत दिशा में जा रहा था।



# एक बड़ी आँधी

अचानक तेज हवा चलने लगी और बड़ी-बड़ी लहरों ने जहाज़ को हिला दिया। सभी नाविक बहुत डर गए।



# योना सच बताता है

योना समझ गया कि उसने गलत निर्णय लिया था। उसने सच्चाई से नाविकों को बताया कि उसने क्या किया है।



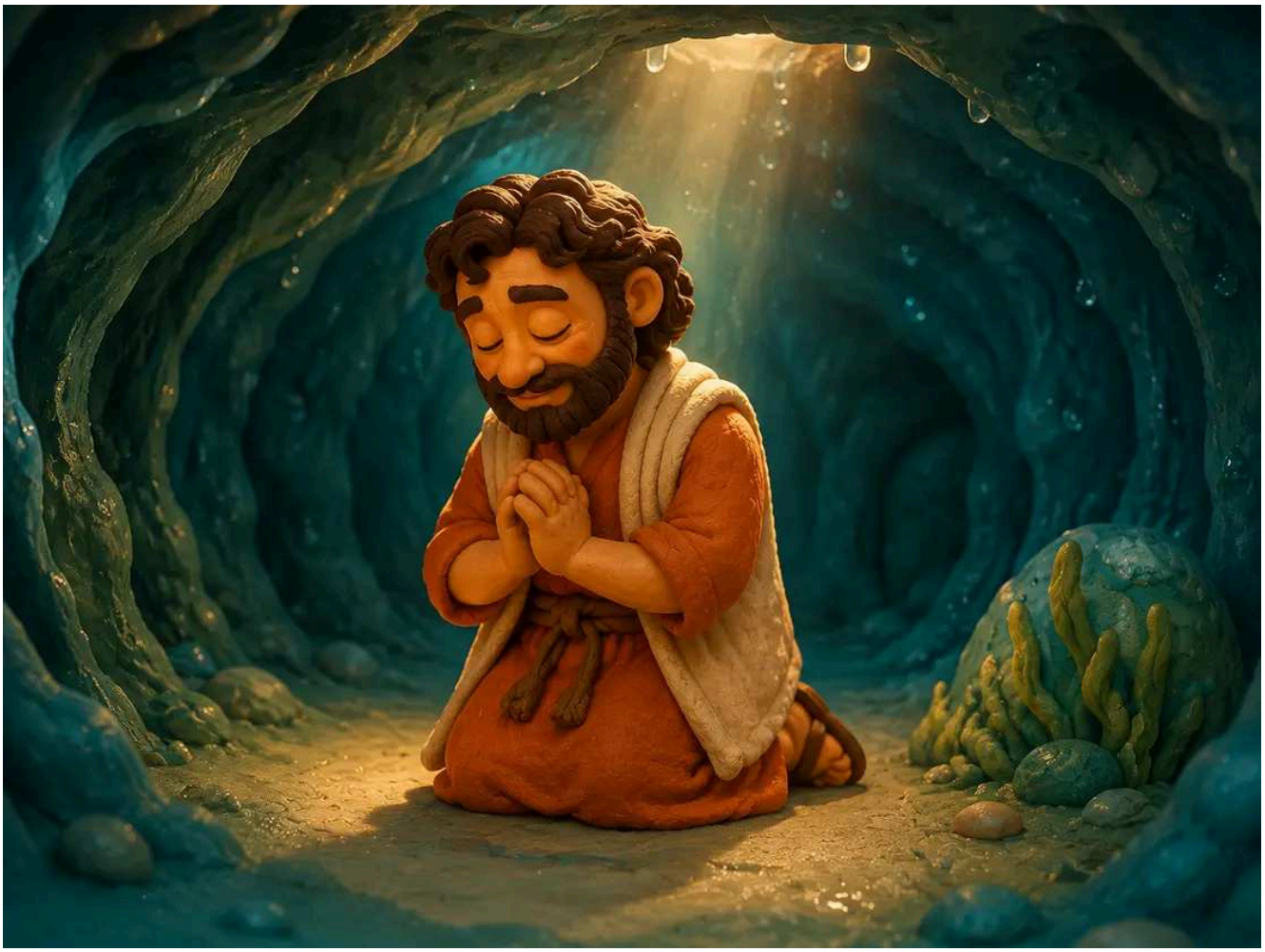
# समुद्र शान्त हो गया

योना पानी में गिरा और उसी क्षण हवा रुक गई।
धीरे-धीरे समुद्र फिर शान्त हो गया।



# अप्रत्याशित बचाव

तब परमेश्वर ने योना की रक्षा के लिए एक बड़ी मछली भेजी। मछली ने उसे निगल लिया, पर उसे कोई हानि नहीं हुई।



# अन्धकार में प्रार्थना

बड़ी मछली के भीतर सब अन्धेरा था। वहाँ योना ने प्रार्थना की: ‘मुझे सुनने के लिए धन्यवाद। मैं फिर से सही काम करना चाहता हूँ।’ और परमेश्वर ने उसकी सुनी।



# तीन दिन की यात्रा

तीन दिनों तक बड़ी मछली समुद्र में तैरती रही। योना को सोचने, भरोसा करने और सीखने का समय मिला।



# फिर से भूमि पर!

आखिर मछली किनारे पर पहुँची और योना को सुरक्षित रेत पर छोड़ दिया। योना को एक नया अवसर मिला!



# नीनवे के मार्ग पर

परमेश्वर ने फिर योना से बात की। इस बार योना ने सुना। वह नीनवे गया और साहस से परमेश्वर का सन्देश सुनाया।



# एक नगर बदल गया

नीनवे के लोगों ने सन्देश सुना। उन्होंने अपनी गलतियाँ मानीं और बदलने का निर्णय लिया। परमेश्वर उन्हें क्षमा करके प्रसन्न हुआ।



# प्रेम की शिक्षा

इस प्रकार योना ने सीखा कि परमेश्वर का प्रेम सब तक पहुँचता है। वह हमेशा बचाना, क्षमा करना और नया अवसर देना चाहता है।



# परमेश्वर हमेशा सुनता है

कहानी यहीं समाप्त होती है। याद रखो: जब हम गलती करते हैं, तो परमेश्वर से बात कर सकते हैं, फिर से शुरू कर सकते हैं और प्रेम का मार्ग चुन सकते हैं।